बोरिंग मशीन खरीदने के लिए वित्तीय सहायता

3259. **श्रीमती रत्न कुमारी** : क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार राज्य सरकारों को बोरिंग मशीनें खरीदने के लिये वित्तीय सहायता देने का विचार रखती है क्योंकि अधिकांश राज्य सरकारें इन सभी मशीनों को पर्याप्त संख्या में खरीद की स्थिति में नहीं है और यदि हां, तो कब तक तथा किस सीमा तक और यह वित्तीय सहायता किस आधार पर दी जायेगी ;

(ख) क्या केन्द्रीय सरकार आदिवासी कृषकों को अतिरिक्त सहायता/अनुदान प्रदान कराने का विचार रखती है ; और

(ग) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में कब तक अंतिम निर्णय ले लिये जाने की संभावना है ?

जल संसाधन मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द): (क) राज्यों/संघ शासित क्षेत्र में भू-जल और सतही जल (लघु सिंचाई) संगठनों को सुदृढ़ करने के लिए केन्द्र प्रायोजित योजना को, जो छठी योजना में कार्यान्वित की जा रही थी, सातवीं योजना में जारी रखे जाने का प्रस्ताव है। इस योजना के अन्तर्गत रिग्स की उपलब्धता, सातवीं योजना में उनके उपयोग का कार्यक्रम तथा राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में भू-जल के विकास के स्तर के बारे में स्थिति को ध्यान में रखते हुए राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों को वेधन मशीनों की खरीद के लिए 50 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा।

(ख) और (ग) कृषि और सहकारिता विभाग की एक केन्द्र प्रायोजित स्कीम के अन्तर्गत 5,000 रुपए की उच्चतम सीमा तक छोटे तथा सीमान्त जनजातीय किसानों की भूमि में निःशुल्क वेधन (बोरिंग) करने का कार्य शुरू करने के लिए राज्य सरकारों को प्राधिकृत किया गया है।

कीटनाशक दवाओं के गुणवत्ता नियंत्रण (क्वालिटी कंट्रोल) प्रयोगशालाएं

3260. श्रीमती रत्न कुमारी : क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने कीटनाशक दवाओं के गुणवत्ता नियंत्रण के लिए राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों में प्रयोगशालाएं स्थापित की हैं ;

(ख) यदि हां, तो उनका राज्य-वार ब्यौरा क्या है, और

(ग) क्या इन प्रयोगशालाओं की स्थापना करते समय मध्य प्रदेश की आवश्यकताओं को ध्यान में रखा गया था, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : राज्यों में जहां कहीं भी कीटनाशक परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं वे राज्य सरकारों द्वारा गठित की गई है। केन्द्रीय सरकार ने कीटनाशक अधिनियम की सांविधिक मांगों को पूरा करने के लिए फरीदाबाद (हरियाणा) में एक केन्द्रीय कीटनाशी प्रयोगशाला और उसकी एक-एक यूनिट बम्बई (महाराष्ट्र) और हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश) में स्थापित की है। राज्य सरकारों के प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए केन्द्रीय सरकार ने पांच क्षेत्रीय प्रयोगशालाएं स्थापित करने की एक योजना पहले ही मंजूर कर दी है।

(ख) विभिन्न क्षेत्रीय प्रयोगशालाओं के तहत चल रहे कार्य के संबंधित स्थानों और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र निम्नवत् हैं:—

क्षेत्र	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	स्थान
उत्तरी	जम्मू तथा कश्मीर, हिमाचल प्रदेश पंजाब, हरियाणा और संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली तथा चंडीगढ़	चंडीगढ़
पश्चिम	गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान तथा संघ राज्य क्षेत्र गोवा, दमन तथा दीव और दादर तथा नगर हवेली	बम्बई
केन्द्रीय	उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश तथा बिहार	कानपुर
दक्षिणी	आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल तथा संघ राज्य क्षेत्र पांडिचेरी और लक्ष द्वीप	हैदराबाद
पूर्वी	पश्चिम बंगाल, असम, सिक्किम, मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा तथा संघ राज्य क्षेत्र अंदमान तथा निकोबार द्वीप समूह	कलकत्ता

(ग) जैसाकि भाग (ख) के उत्तर में उल्लेख किया गया है, कानपुर के केन्द्रीय क्षेत्र के स्थान का निर्णय करते समय मध्य प्रदेश की आवश्यकताओं को ध्यान में रखा गया है।

Retearch in cheaper house building technology .

3261. SHRIMATI PRATIBHA DEVI SINGH PATIL: Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state.

(a) the places in India where research is being done for cheaper House building technology;

(b) whether the institutions engaged in building cheaper houses have come out with any successful technique to suit the need of housing in rural areas in the country,'

(c) what is the pattern of assistance to State Governments by the Central Govemment for construction of houses in the rural areas; and

(d) the amount allotted for this purpose by Government in the current year?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI DALBIR SINGH): (a) The research in House-Building Technology is conducted in various Institution* in different parts of the country.

(b) The Institutions have come out with successful techniques resulting in